तय प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल तथा शिक्षा (ECCE) दिवस आयोजन हेतु दिशा–निर्देश

तय मासिक ECCE दिवस का परिचय

- तय मासिक ECCE दिवस को प्रत्येक माह आँगनबाड़ी केन्द्र पर एक बार (19वीं तारीख) आयोजित किया जाएगा।
- तय मासिक ECCE दिवस एक ऐसे मंच को प्रदान करेगा जहाँ आँगनबाड़ी सेविका एवं अभिभावक/समुदाय आपस में बातचीत करेंगे। आई.सी.डी.एस. के कार्यकर्त्ता इस अवसर पर जागरूकता एवं समुदाय के जुड़ाव से संबंधित गतिविधियों को करते हैं।
- तय मासिक ECCE दिवस का आयोजन अभिभावकों एवं समुदाय को प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल एवं बच्चों की शिक्षा के साथ उनके समुचित विकास के लिए एक सहयोग का वातावरण प्रदान करेगा।
- इन तय मासिक ECCE दिवसों में आँगनबाड़ी में नामांकित बच्चों के साथ ही अन्य सभी 0–6 वर्ष के बच्चों के साथ उनके माता–पिता भी सम्मिलित होंगे।

तय मासिक ECCE दिवस का उद्देश्य

- अभिभावकों एवं समुदाय को बच्चों के उम्र के अनुसार किये जाने वाले उचित देखभाल एवं शिक्षा के अच्छे व्यवहारों/आदतों से अवगत कराना।
- ऐसे अवसरों को प्रदान करना जिसमें अभिभावक एवं समुदाय सक्रिय रूप से आँगनबाड़ी केन्द्रों को बेहतर बनाने के लिए अपना शारीरिक एवं सामग्री संबंधी मदद दें सके।
- सीखने की 'गतिविधि आधारित' एवं 'गैर–औपचारिक तकनीकों' से अभिभावकों एवं समुदाय को परिचित कराना।
- अभिभावकों को उनके बच्चों की वृद्धि, विकास एवं सीखने की स्थिति से अवगत कराना।

तय मासिक ECCE दिवस के संचालन से संबंधित गतिविधियों के सुझाव

नीचे तालिका में दी गई गतिविधियों में से महिला पर्यवेक्षिका एवं आँगनबाड़ी सेविका प्रत्येक तय मासिक ECCE दिवस के लिए चुन सकती हैं, लेकिन इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि चयनित गतिविधियों को प्रस्तावित समय–सीमा के अनुसार ही किया जाए।

तय मासिक ECCE दिवस के दिन होने वाली गतिविधियाँ:–

क्र0	मासिक	द्विमासिक	अर्द्धवार्षिक
1	बच्चों द्वारा पाठ्यक्रम के अनुसार किये गये कार्यों का प्रदर्शन। उनके द्वारा बनाये गये कला एवं शिल्प, मॉडल्स, चित्र इत्यादि।	बच्चों के समूह द्वारा नृत्य, नाटक, कविता पाठ (ध्यान रहें कि इस तरह के कार्यक्रमों में सभी बच्चों का योगदान रहें)।	खेल दिवस (सभी बच्चे प्रतिभागी बनें)।
2	बच्चों की गतिविधियों का प्रदर्शन एवं अभिभावकों को इन गतिविधियों को कराने का उद्देश्य बताना।	अभिभावकों एवं बच्चों से ऐसे समूह कार्य कराना जिनसे घर पर की जा सकने वाले ECCE कार्यों को वे सीखें।	बाल मेला, दिवाली एवं अन्य स्थानीय मेलों में बच्चों और उनके अभिभावकों की सहभागिता कराना, जिसमें वे आनंद प्राप्त कर सकें।
3	अभिभावक–सेविका के मध्य संवाद होना ताकि बच्चे का मूल्यांकन हो और उनको इसकी जानकारी मिले।	खेलने एवं सीखने की सामग्रियों का अभिभावकों एवं समुदाय के सहयोग से विकास।	केन्द्र की दीवारों पर बच्चों से संबंधित चित्रण बनाना।
4	ECCE दिवसों को बढ़ावा देने से संबंधित सामग्रियों जैसे–चार्ट, दृश्य-श्रव्य (Audio-Visual) सामग्रियों का प्रदर्शन।	स्थानीय कलाकारों/शिल्पकारों की मदद से खेल सामग्रियों का विकास।	